शांति का नोबेल पुरस्कार 2022

//

शांति का नोबेल पुरस्कार 2022

विजेता

- **एलेस बालियात्स्की**, रूसी मानवाधिकार संगठन मेमोरियल और यूक्रेनी मानवाधिकार संगठन सेंटर फॉर सिविल लिबर्टीज
- शांति पुरस्कार विजेता अपने गृह देशों में नागरिक समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं।

बेलारूस के एलेस बालियात्स्की

- राष्ट्रपति (अलेक्जेंडर लुकाशेंको) को तानाशाही शक्तियाँ प्रदान करने वाले विवादास्पद संवैधानिक संशोधनों के जवाब में वर्ष 1996 में स्थापित संगठन वियासना (स्प्रिंग) को मिला।
- समय बीतने के साथ वियासना एक व्यापक-आधार वाले मानवाधिकार संगठन में विकसित हुआ जिन्होंने राजनीतिक कैदियों के खिलाफ अधिकारियों द्वारा यातना के उपयोग का दस्तावेजीकरण और विरोध किया।
- वर्ष 2020 में वह स्वीडिश राइट लाइवलीहुड फाउंडेशन द्वारा राइट लाइवलीहुड अवार्ड के तीन प्राप्तकर्त्ताओं में से एक थे, जिसे "वैकल्पिक नोबेल" के रूप में जाना जाता है।
- वह जेल में नोबेल शांति पुरस्कार पाने वाले चौथे व्यक्ति हैं। पिछले विजेता जर्मनी के कार्ल वॉन ओस्लेट्स्की (1935), म्यांमार की आंग सान सू की (1991) और चीन के लियू शियाओबो (2010) हैं।

यूक्रेनी मानवाधिकार संगठन, सेंटर फॉर सिविल लिबर्टीज

- इसकी स्थापना 2007 में यूक्रेन में मानवाधिकारों और लोकतंत्र को बढ़ावा देने के लिये की गई थी।
- फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद से सेंटर फॉर सिविल लिबर्टीज यूक्रेनी नागरिक आबादी के खिलाफ रूसी "युद्ध अपराधों" की पहचान करने और उनका दस्तावेजीकरण करने के प्रयासों में लगा हुआ है।

रूसी मानवाधिकार संगठन मेमोरियल

- इस संगठन की स्थापना वर्ष 1987 में पूर्व सोवियत संघ में मानवाधिकार कार्यकर्त्ताओं द्वारा की गई थी, जो यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि कम्युनिस्ट शासन के उत्पीड़न के पीड़ितों को कभी विस्मृत नहीं किया जाएगा।
- स्मारक 1992 में दमन का दस्तावेजीकरण करने और साम्यवाद के तहत पीड़ित लोगों के पुनर्वास में मदद करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था।
- वर्ष 1954 में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता आंद्रेई साखारोव और मानवाधिकार अधिवक्ता स्वेतलाना गनुश्किना इस संगठन के संस्थापकों में से थे।
- इसे रूस के सबसे बड़े मानवाधिकार संगठन के रूप में वर्णित किया गया है और वर्तमान में इसने "रूस में राजनीतिक उत्पीड़न एवं मानवाधिकारों के उल्लंघन" के विषय में जानकारी एकत्र करने में मदद की है।
- कुछ नागरिक समाज समूहों को विदेशी एजेंटों के रूप में पंजीकरण करने की आवश्यकता वाले कानून को तोड़ने के लिये दिसंबर 2021 में इसे बंद करने का आदेश दिया गया था।

भारतीय नोबेल शांति पुरस्कार विजेता

- कैलाश सत्यार्थी एक भारतीय समाज सुधारक हैं जिन्होंने भारत में बाल श्रम के खिलाफ अभियान चलाया और शिक्षा के सार्वभौमिक अधिकार की वकालत की। 2014 में, वह मलाला यूसुफजई के साथ नोबेल शांति पुरस्कार के सह-प्राप्तकर्ता थे।
- मैरी टेरेसा बोजाक्सीयू एक अल्बानियाई-भारतीय कैथोलिक नन थीं, जिन्होंने 1950 में मिशनरीज ऑफ चौरिटी की स्थापना की थी। उनके मानवीय कार्यों के लिये, उन्हें 1962 के रेमन मैग्सेसे शांति पुरस्कार और 1979 के नोबेल शांति पुरस्कार सहित कई सम्मानों से सम्मानित किया गया।

दृष्टि The Vision

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/nobel-peace-prize-2022-2